https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

प्रस्तावना

इस भाग में बच्चों के गठिया रोग संबंधित रोगों के इलाज में काम आने वाली दवाओं की जानकारी दी गई है। इसे चार भागों में बाँटा गया है।

विवरण

इस भाग में दवाओं की सामन्य जानकारी के साथ काम करने की प्रक्रिया तथा बुरे प्रभावों की जानकारी भी दी गई है।

खुराक / दवा देने के तरीके

इस भाग में दवा की खुराक, समान्यात: मिग्रा / किलो ग्राम / प्रतिदिन व मि. ग्रा. / बी. एस. ए. (बॉडी सरफेस एरिया य मीटर2 के रूप में बताया गया है उसके साथ में दवा देने के तरीकों की भी जानकरी दी गई है (खाने की दवा / इंजेक्शन)

दुष्प्रभाव

इस भाग में सबसे अधिक देखे गए बुरे प्रभावों की जानकारी दी गई है।

बच्चों के प्रमुख गठिया संबंधित रोगों की सूचना

इस भाग में बच्चों के सभी (गठिया संबंधी) रोगों की सूचि दी गई है। इन दवाओं की मुख्य रूप से बच्चों में जाँच की गई है तथा FDA (फूड एंड ड्रग एडमनिस्ट्रेशन) अथवा EMA (यूरोपयिन मेडसिनि एजेंसी) व्दारा बच्चों में इन दवाओं के उपयोग की स्वीकृति दी गई है।

पीडियाट्रिक लेजस्लिेशन, लेबल व ऑफ लेबल उपयोग (पूर्ण रूप से स्थापति व अस्थापति उपयोग) तथा भविष्य में इलाज की संभावना

लगबग १५ वर्ष पूर्व तक सभी दवाएँ जुवेनाइल इडिओपेथकि आर्थराइटसि तथा कई दूसरी बच्चों की बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाती थी जिनका ठकि तरह से ज्ञान नहीं था। इसका अर्थ है कि चिकित्सक अपने अनुभव तथा बड़ों में दवाओं की जानकारी के आधार पर इनका उपयोग कर रहे थे।
पहले पीडियाट्रिक रयूमेटोलोजी के ट्रायल कठनि थे क्योंकि दवा बनाने वाली कंपनियों को इन ट्रायल से होने वाले कम लाभ तथा कम निवेश की वजह से इसमें अधिक रुचि नहीं थी। लेकिन कुछ वर्षों पहले इसमें काफी बदलाव हुआ है। यह बदलाव अमेरिका के चल्डि्रन एक्ट में सबसे अच्छी दवा कंपनियों के प्रस्ताव तथा यूरोपीयन संगठन में पीडीयाट्रीक दवाओं के विशिष्ट नियिमो के कारण देखा गया है।

अमेरिका तथा यूरोपीयन संगठन का PRINTO (पीडियाट्रिक र्यूमेटोलोजी इंटरनेशनल ट्रायल र्ओगेनाइजेशन) तथा PRCSG (पीडियाट्रिक र्यूमेटोलोजी कोलेबोरेटिव स्टडी ग्रुप) के साथ जे आए ए के इलाज के नए विकल्पों में बड़ा योगदान है। PRINTO तथा PRCSG के कई बड़े ट्रायल किए हैं जिसमें दुनिया के कई देशों के बच्चों ने भाग लिया है इन परीक्षणों में बच्चों को प्लेसीबो दवाएँ भी दी जाती है। (दवा या इंजेक्शन जिसमें कोई सक्रिय पदार्थ नहीं होता) ताकि ट्रायल में दी गई दवाओं की तुलना की जा सके।
इन सभी परिक्षोणो की वजह से FDA , EMA तथा कई राष्ट्रिय संस्थओं ने इन दवाओं की जानकारी का संशोधन किया है तथा दवा कंपनियों को बच्चों में इनके प्रभाव तथा सुरक्षित उपयोग की अनुमति दी है।
जे आए ए के लीए जिन दवाओं की मंजूरी दी गई है। उनकी सूचि यह है - मीथोट्रेक्सेट, इटानरसेप्ट, अडालिमुमाब, टोसलिजुमाब कनाकिनुमाब
कई सारी दवाओं का अध्ययन चल रहा है। आपके चिकित्सक आपके बच्चे के लिए इस परीक्षण में भाग लेने के लिए पूछ सकते हैं।
कई दवाए जे आए ए के इलाज के लिए मंजूर नहीं की गई है जैसे कई एन एस ए आए डी एजथायोप्रिन, साइक्लोस्पोरिन, अनाकिनरा तथा इनफ्लिक्जिमब। इनका उपयोग बिना मंजूरी के (जिसे ऑफ लेबल उपयोग कहते है) किया जा सकता है।

सख्ती से पालन (अनुपालन)

इलाज को गंभीर तथा पूर्ण रूप से लेना कम तथा लंबे समय के फायदे के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।
इलाज के अनुपालन के लिए निम्न बातें का ध्यान रखना चाहिए डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं का कोर्स जैसे सुनिश्चित रूप से दवा लेना, समय पर जाँच, फिजियोथेरेपी तथा दूसरे परिक्षण आदि। इन सब की वजह से बच्चे के स्वास्थ्य में सुधर आता है तथा वह रोग से अच्छी तरह लड़ सकता है। दवा की आवृत्ति तथा खुराक, शरीर में दवा का एक निश्चित अनुपात बना कर रखती है। यदि इलाज का अनुपालन ठीक से न किया जाए तो दवा का अनुपात कम हो सकता है और बीमारी बढ़ सकती है। इसके लिए दवा के शोट तथा खाने वाली दवा नियमित रूप से लेना चाहिए।
इलाज में असफलता का सबसे आम कारण अनुपालन ना करना है। पूरी मेडिकल टीम के साथ इलाज को पूरा करना कभी-कभी माता-पिता के लिए मुश्किल होता है। जैसे जैसे बच्चे की उम्र बढ़ती है विशेष रूप से जब वे किशोर होते है अनुपालन मुश्किल होता है और वे उस इलाज को बीच में छोड़ देते है जो असुविधाजनक होता है। इस उम्र में बीमारी के बढ़ने का खतरा अधिक होता है यदि इलाज का ठीक तरह से अनुपालन किया जाए तो बीमारी ठीक हो सकती है और जीवन की गुणवत्ता बढ़ सकती है।

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov